

基隆教會讀經進度表 2025



這律法書不可離開你的口，總要晝夜思想，好使你謹守遵行這書上所寫的一切話。如此，你的道路就可以亨通，凡事順利。

約書亞記一 8

前言

我們教會的異象是「徵召各人—人人是宣教勇士、開放各家—家家是小組教會、傳遍各方—處處是宣教工場」，我們要藉著教會五大目標「敬拜、團契、教導、事工、宣教」來達成教會的異象。

我們教會的命定宣言是「我們是神國兒女所組成的軍隊(飛鷹)，領受先鋒的位份(領港船)，召聚啟動同行家人(號角)成為這世代的光(燈塔)」。

我們要期待在每日「穩定」的靈修生活中，神一定會向我們說話。也就是說在靈修的時候，時間的長短不是重點，有沒有聽到神的話才是重點。這我們稱之為「有效的靈修」。

本讀經進度表共分三類，一類是每日靈修經文的進度，可在讀經後藉禱讀及默想進入經文的深處，與主相遇。一類也是每日靈修經文的進度，但範圍較廣，適合思考、分析、研究的靈修法。上述二類可擇一使用即可。最後一類是一年讀經一遍的經文進度，分新、舊約二部分，可藉速讀進入經文的廣潤處，產生屬天的眼光，看見神國度的豐盛。

我們建議每人每天均按照進度，讀完上述的經文並寫「記憶力量」的筆記，如此，在你的人生中，一定會產生料想不到的祝福。

靈修方法

一.靈修暖身操-一口潔

- 1.一心見主：(將心思集中在主身上)
- 2.口唱頌主：(唱詩敬拜)
- 3.潔己近主：(禱告：主啊！請來潔淨我，
使我能親近你，
求聖靈開啟我的心)

二.靈修基本功-記憶力量

記住經文：研讀、速讀經文

憶想經文：禱讀、默想經文

力行經文：問主二個問題-

1. 主啊！這段經文為何會感動我？
2. 主啊！這段經文我可以怎樣應用？

量給經文：禱告(求主賜下行道的力量)
見証(分享遵行主道的見証)



基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 一月 | | | | 月 日 |
|--------|----------|----------|--------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 弗一 8-10 | 弗一 1-14 | 創一~二 | 路一 | 1 |
| 2 | 弗一 17 | 弗一 15-23 | 創三~四 | 路二 | 2 |
| 3 | 弗二 10 | 弗二 1-10 | 創五~六 | 路三 | 3 |
| 4 | 弗二 14-15 | 弗二 11-22 | 創七~八 | 路四 | 4 |
| 5 | 弗三 6 | 弗三 1-12 | 創九~十 | 路五 | 5 |
| 6 | 弗三 16 | 弗三 13-21 | 創十一~十二 | 路六 | 6 |
| 7 | 弗四 2-6 | 弗四 1-10 | 創十三~十四 | 路七 | 7 |
| 8 | 弗四 15-16 | 弗四 11-16 | 創十五~十六 | 路八 | 8 |
| 9 | 弗四 20-24 | 弗四 17-24 | 創十七~十八 | 路九 | 9 |
| 10 | 弗四 25 | 弗四 25-32 | 創十九~二十 | 路十 | 10 |
| 11 | 弗五 1-2 | 弗五 1-7 | 創廿一~廿二 | 路十一 | 11 |
| 12 | 弗五 13-14 | 弗五 8-14 | 創廿三~廿四 | 路十二 | 12 |
| 13 | 弗五 18 | 弗五 15-21 | 創廿五~廿六 | 路十三 | 13 |
| 14 | 弗五 25-26 | 弗五 22-33 | 創廿七~廿八 | 路十四 | 14 |
| 15 | 弗六 6-7 | 弗六 1-9 | 創廿九~卅 | 路十五 | 15 |
| 16 | 弗六 10-11 | 弗六 10-24 | 創卅一~卅二 | 路十六 | 16 |
| 17 | 路一 1-4 | 路一 1-4 | 創卅三~卅四 | 路十七 | 17 |
| 18 | 路一 8-13 | 路一 5-23 | 創卅五~卅六 | 路十八 | 18 |
| 19 | 路一 28-31 | 路一 24-38 | 創卅七~卅八 | 路十九 | 19 |
| 20 | 路一 46-49 | 路一 39-55 | 創卅九~四十 | 路二十 | 20 |
| 21 | 路一 67-69 | 路一 56-80 | 創四一~四二 | 路廿一 | 21 |
| 22 | 路二 10-14 | 路二 1-14 | 創四三~四四 | 路廿二 | 22 |
| 23 | 路二 21-24 | 路二 15-24 | 創四五~四六 | 路廿三 | 23 |
| 24 | 路二 25-27 | 路二 25-39 | 創四七~四八 | 路廿四 | 24 |
| 25 | 路二 47-49 | 路二 40-52 | 創四九~五十 | 徒一 | 25 |
| 26 | 路三 1-3 | 路三 1-6 | 出一~二 | 徒二 | 26 |
| 27 | 路三 16-17 | 路三 7-17 | 出三~四 | 徒三 | 27 |
| 28 | 路三 21-22 | 路三 18-38 | 出五~六 | 徒四 | 28 |
| 29 | 路四 9-12 | 路四 1-13 | 出七~八 | 徒五 | 29 |
| 30 | 路四 16-19 | 路四 14-30 | 出九~十 | 徒六 | 30 |
| 31 | 路四 33-35 | 路四 31-39 | 出十一~十二 | 徒七 | 31 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 二月 | | | | 月 日 |
|--------|----------|----------|---------|-------|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 路四 42-43 | 路四 40-44 | 出十三~十四 | 徒八 | 1 |
| 2 | 路五 9-10 | 路五 1-11 | 出十五~十六 | 徒九 | 2 |
| 3 | 路五 12-13 | 路五 12-16 | 出十七~十八 | 徒十 | 3 |
| 4 | 路五 20-25 | 路五 17-26 | 出十九~二十 | 徒十一 | 4 |
| 5 | 路五 31-32 | 路五 27-35 | 出廿一~廿二 | 徒十二 | 5 |
| 6 | 路五 37-38 | 路五 36-39 | 出廿三~廿四 | 徒十三 | 6 |
| 7 | 路六 1-5 | 路六 1-5 | 出廿五~廿六 | 徒十四 | 7 |
| 8 | 路六 9-10 | 路六 6-11 | 出廿七~廿八 | 徒十五 | 8 |
| 9 | 路六 12-13 | 路六 12-19 | 出廿九~三十 | 徒十六 | 9 |
| 10 | 路六 20-23 | 路六 20-26 | 出卅一~卅二 | 徒十七 | 10 |
| 11 | 路六 36-38 | 路六 27-38 | 出卅三~卅四 | 徒十八 | 11 |
| 12 | 路六 43-45 | 路六 39-45 | 出卅五~卅六 | 徒十九 | 12 |
| 13 | 路六 47-48 | 路六 46-49 | 出卅七~卅八 | 徒二十 | 13 |
| 14 | 路七 6-8 | 路七 1-10 | 出卅九~四十 | 徒廿一 | 14 |
| 15 | 路七 13-15 | 路七 11-17 | 利一~二 | 徒廿二 | 15 |
| 16 | 路七 22 | 路七 18-23 | 利三~四 | 徒廿三 | 16 |
| 17 | 路七 31-35 | 路七 24-35 | 利五~六 | 徒廿四 | 17 |
| 18 | 路七 44-48 | 路七 36-50 | 利七~八 | 徒廿五 | 18 |
| 19 | 路八 1-3 | 路八 1-3 | 利九~十 | 徒廿六 | 19 |
| 20 | 路八 15 | 路八 4-15 | 利十一~十二 | 徒廿七 | 20 |
| 21 | 路八 18 | 路八 16-18 | 利十三~十四 | 徒廿八 | 21 |
| 22 | 路八 21 | 路八 19-21 | 利十五~十六 | 羅一 | 22 |
| 23 | 路八 25 | 路八 22-25 | 利十七~十八 | 羅二 | 23 |
| 24 | 路八 35-36 | 路八 26-39 | 利十九~二十 | 羅三 | 24 |
| 25 | 路八 45-46 | 路八 40-56 | 利廿一~廿二 | 羅四 | 25 |
| 26 | 路九 1-2 | 路九 1-6 | 利廿三~廿四 | 羅五 | 26 |
| 27 | 路九 13-17 | 路九 7-17 | 利廿五 | 羅六 | 27 |
| 28 | 路九 18-20 | 路九 18-22 | 利廿六~利廿七 | 羅七~羅八 | 28 |

敬畏耶和華是智慧的開端；認識至聖者便是聰明。－箴九 10

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 三月 | | | | 月 日 |
|--------|-----------|-----------|--------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 路九 23 | 路九 23-27 | 民一~三 | 羅九 | 1 |
| 2 | 路九 35-36 | 路九 28-36 | 民四~六 | 羅十 | 2 |
| 3 | 路九 47-48 | 路九 37-48 | 民七~八 | 羅十一 | 3 |
| 4 | 路九 49-50 | 路九 49-56 | 民九~十 | 羅十二 | 4 |
| 5 | 路九 61-62 | 路九 57-62 | 民十一~十二 | 羅十三 | 5 |
| 6 | 路十 1-2 | 路十 1-16 | 民十三~十四 | 羅十四 | 6 |
| 7 | 路十 18-20 | 路十 17-24 | 民十五~十六 | 羅十五 | 7 |
| 8 | 路十 25-28 | 路十 25-37 | 民十七~十八 | 羅十六 | 8 |
| 9 | 路十 41-42 | 路十 38-42 | 民十九~廿 | 太一 | 9 |
| 10 | 路十一 11-13 | 路十一 1-13 | 民廿一~廿二 | 太二 | 10 |
| 11 | 路十一 20-21 | 路十一 14-28 | 民廿三~廿四 | 太三 | 11 |
| 12 | 路十一 34-36 | 路十一 29-36 | 民廿五~廿六 | 太四 | 12 |
| 13 | 路十一 39-41 | 路十一 37-54 | 民廿七~廿八 | 太五 | 13 |
| 14 | 路十二 6-7 | 路十二 1-12 | 民廿九~卅 | 太六 | 14 |
| 15 | 路十二 20-21 | 路十二 13-21 | 民卅一~卅二 | 太七 | 15 |
| 16 | 路十二 29-31 | 路十二 22-34 | 民卅三~卅四 | 太八 | 16 |
| 17 | 路十二 37 | 路十二 35-40 | 民卅五~卅六 | 太九 | 17 |
| 18 | 路十二 47-48 | 路十二 41-53 | 申一~二 | 太十 | 18 |
| 19 | 路十二 54-56 | 路十二 54-59 | 申三~四 | 太十一 | 19 |
| 20 | 路十三 6-9 | 路十三 1-9 | 申五~六 | 太十二 | 20 |
| 21 | 路十三 15-16 | 路十三 10-17 | 申七~八 | 太十三 | 21 |
| 22 | 路十三 18-21 | 路十三 18-21 | 申九~十 | 太十四 | 22 |
| 23 | 路十三 23-24 | 路十三 22-30 | 申十一~十二 | 太十五 | 23 |
| 24 | 路十三 34 | 路十三 31-35 | 申十三~十四 | 太十六 | 24 |
| 25 | 路十四 1-6 | 路十四 1-6 | 申十五~十六 | 太十七 | 25 |
| 26 | 路十四 10-11 | 路十四 7-11 | 申十七~十八 | 太十八 | 26 |
| 27 | 路十四 13-14 | 路十四 12-24 | 申十九~廿 | 太十九 | 27 |
| 28 | 路十四 33-35 | 路十四 25-35 | 申廿一~廿二 | 太廿 | 28 |
| 29 | 路十五 7 | 路十五 1-7 | 申廿三~廿四 | 太廿一 | 29 |
| 30 | 路十五 10 | 路十五 8-10 | 申廿五~廿六 | 太廿二 | 30 |
| 31 | 路十五 18-20 | 路十五 11-32 | 申廿七~廿八 | 太廿三 | 31 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 四月 | | | | 月 日 |
|----------------------------|-----------|-----------|---------|------|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 路十六 11-12 | 路十六 1-13 | 申廿九~卅 | 太廿四 | 1 |
| 2 | 路十六 15 | 路十六 14-18 | 申卅一~卅二 | 太廿五 | 2 |
| 3 | 路十六 30-31 | 路十六 19-31 | 申卅三~卅四 | 太廿六 | 3 |
| 4 | 路十七 4 | 路十七 1-4 | 書一~三 | 太廿七 | 4 |
| 5 | 路十七 5-6 | 路十七 5-10 | 書四~六 | 太廿八 | 5 |
| 6 | 路十七 17-19 | 路十七 11-19 | 書七~九 | 林前一 | 6 |
| 7 | 路十七 20-21 | 路十七 20-37 | 書十~十二 | 林前二 | 7 |
| 8 | 路十八 7 | 路十八 1-14 | 書十三~十五 | 林前三 | 8 |
| 9 | 路十八 22 | 路十八 15-23 | 書十六~十八 | 林前四 | 9 |
| 10 | 路十八 29-30 | 路十八 24-30 | 書十九~廿一 | 林前五 | 10 |
| 11 | 路十八 31-32 | 路十八 31-34 | 書廿二~廿四 | 林前六 | 11 |
| 12 | 路十八 40-42 | 路十八 35-43 | 士一~三 | 林前七 | 12 |
| 13 | 路十九 9-10 | 路十九 1-10 | 士四~六 | 林前八 | 13 |
| 14 | 路十九 16-17 | 路十九 11-28 | 士七~九 | 林前九 | 14 |
| 15 | 路十九 29-31 | 路十九 29-40 | 士十~十二 | 林前十 | 15 |
| 16 | 路十九 45-46 | 路十九 41-48 | 士十三~十五 | 林前十一 | 16 |
| 17 | 路廿 7-8 | 路廿 1-8 | 士十六~十八 | 林前十二 | 17 |
| 18 | 路廿 17-18 | 路廿 9-18 | 士十九~廿一 | 林前十三 | 18 |
| 19 | 路廿 24-25 | 路廿 19-26 | 得一~二 | 林前十四 | 19 |
| 20 | 路廿 37-38 | 路廿 27-40 | 得三~四 | 林前十五 | 20 |
| 21 | 路廿 46-47 | 路廿 41-47 | 撒上一~三 | 林前十六 | 21 |
| 22 | 路廿一 1-4 | 路廿一 1-4 | 撒上四~六 | 林後一 | 22 |
| 23 | 路廿一 8-9 | 路廿一 5-9 | 撒上七~九 | 林後二 | 23 |
| 24 | 路廿一 14-15 | 路廿一 10-19 | 撒上十~十二 | 林後三 | 24 |
| 25 | 路廿一 27-28 | 路廿一 20-28 | 撒上十三~十五 | 林後四 | 25 |
| 26 | 路廿一 37-38 | 路廿一 29-38 | 撒上十六~十八 | 林後五 | 26 |
| 27 | 路廿二 3-6 | 路廿二 1-6 | 撒上十九~廿一 | 林後六 | 27 |
| 28 | 路廿二 12-13 | 路廿二 7-13 | 撒上廿二~廿四 | 林後七 | 28 |
| 29 | 路廿二 19-20 | 路廿二 14-23 | 撒上廿五~廿七 | 林後八 | 29 |
| 30 | 路廿二 29-30 | 路廿二 24-30 | 撒上廿八~卅一 | 林後九 | 30 |
| 祢的話是我腳前的燈，是我路上的光。—詩一一九 105 | | | | | |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 五月 | | | | 月 日 |
|--------|-----------|-----------|---------|------|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 路廿二 31-32 | 路廿二 31-34 | 撒下一~三 | 林後十 | 1 |
| 2 | 路廿二 37 | 路廿二 35-38 | 撒下四~六 | 林後十一 | 2 |
| 3 | 路廿二 45-46 | 路廿二 39-46 | 撒下七~九 | 林後十二 | 3 |
| 4 | 路廿二 52-53 | 路廿二 47-53 | 撒下十~十二 | 林後十三 | 4 |
| 5 | 路廿二 61-62 | 路廿二 54-62 | 撒下十三~十五 | 加一 | 5 |
| 6 | 路廿二 69-70 | 路廿二 63-71 | 撒下十六~十八 | 加二 | 6 |
| 7 | 路廿三 3-4 | 路廿三 1-12 | 撒下十九~廿一 | 加三 | 7 |
| 8 | 路廿三 22-24 | 路廿三 13-25 | 撒下廿二~廿四 | 加四 | 8 |
| 9 | 路廿三 28-29 | 路廿三 26-31 | 王上一~三 | 加五 | 9 |
| 10 | 路廿三 41-43 | 路廿三 32-43 | 王上四~六 | 加六 | 10 |
| 11 | 路廿三 44-46 | 路廿三 44-56 | 王上七~九 | 弗一 | 11 |
| 12 | 路廿四 5-7 | 路廿四 1-12 | 王上十~十二 | 弗二 | 12 |
| 13 | 路廿四 25-27 | 路廿四 13-27 | 王上十三~十五 | 弗三 | 13 |
| 14 | 路廿四 30-32 | 路廿四 28-35 | 王上十六~十八 | 弗四 | 14 |
| 15 | 路廿四 38-40 | 路廿四 36-43 | 王上十九~廿 | 弗五 | 15 |
| 16 | 路廿四 46-49 | 路廿四 44-53 | 王上廿一~廿二 | 弗六 | 16 |
| 17 | 徒一 7-8 | 徒一 1-11 | 王下一~三 | 腓一 | 17 |
| 18 | 徒一 21-22 | 徒一 12-26 | 王下四~六 | 腓二 | 18 |
| 19 | 徒二 1-4 | 徒二 1-13 | 王下七~九 | 腓三 | 19 |
| 20 | 徒二 36 | 徒二 14-36 | 王下十~十二 | 腓四 | 20 |
| 21 | 徒二 38-39 | 徒二 37-47 | 王下十三~十五 | 西一 | 21 |
| 22 | 徒三 6-8 | 徒三 1-10 | 王下十六~十八 | 西二 | 22 |
| 23 | 徒三 25-26 | 徒三 11-26 | 王下十九~廿一 | 西三 | 23 |
| 24 | 徒四 11-12 | 徒四 1-12 | 王下廿二~廿三 | 西四 | 24 |
| 25 | 徒四 19-20 | 徒四 13-22 | 王下廿四~廿五 | 帖前一 | 25 |
| 26 | 徒四 29-30 | 徒四 23-31 | 代上一~三 | 帖前二 | 26 |
| 27 | 徒四 32-33 | 徒四 32-36 | 代上四~六 | 帖前三 | 27 |
| 28 | 徒五 3-4 | 徒五 1-11 | 代上七~九 | 帖前四 | 28 |
| 29 | 徒五 12-13 | 徒五 12-16 | 代上十~十二 | 帖前五 | 29 |
| 30 | 徒五 19-20 | 徒五 17-26 | 代上十三~十五 | 帖後一 | 30 |
| 31 | 徒五 29-31 | 徒五 27-32 | 代上十六~十八 | 帖後二 | 31 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 六月 | | | | 月 日 |
|--------|-----------|-----------|---------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 徒五 38-39 | 徒五 33-42 | 代上十九~廿一 | 帖後三 | 1 |
| 2 | 徒六 3-4 | 徒六 1-7 | 代上廿二~廿四 | 提前一 | 2 |
| 3 | 徒六 15 | 徒六 8-15 | 代上廿五~廿七 | 提前二 | 3 |
| 4 | 徒七 9-10 | 徒七 1-19 | 代上廿八~廿九 | 提前三 | 4 |
| 5 | 徒七 33-34 | 徒七 20-45 | 代下一~三 | 提前四 | 5 |
| 6 | 徒七 56-57 | 徒七 46-60 | 代下四~六 | 提前五 | 6 |
| 7 | 徒八 20-23 | 徒八 1-25 | 代下七~九 | 提前六 | 7 |
| 8 | 徒八 29-31 | 徒八 26-40 | 代下十~十二 | 提後一 | 8 |
| 9 | 徒九 17-19 | 徒九 1-19 | 代下十三~十五 | 提後二 | 9 |
| 10 | 徒九 20-22 | 徒九 20-31 | 代下十六~十八 | 提後三 | 10 |
| 11 | 徒九 40-41 | 徒九 32-43 | 代下十九~廿一 | 提後四 | 11 |
| 12 | 徒十 13-16 | 徒十 1-16 | 代下廿二~廿四 | 多一 | 12 |
| 13 | 徒十 27-29 | 徒十 17-33 | 代下廿五~廿七 | 多二 | 13 |
| 14 | 徒十 44-48 | 徒十 34-48 | 代下廿八~卅 | 多三 | 14 |
| 15 | 徒十一 18 | 徒十一 1-18 | 代下卅一~卅三 | 門一 | 15 |
| 16 | 徒十一 21-24 | 徒十一 19-24 | 代下卅四~卅六 | 可一 | 16 |
| 17 | 徒十一 25-26 | 徒十一 25-30 | 拉一~三 | 可二 | 17 |
| 18 | 徒十二 11 | 徒十二 1-11 | 拉四~六 | 可三 | 18 |
| 19 | 徒十二 12 | 徒十二 12-19 | 拉七~八 | 可四 | 19 |
| 20 | 徒十二 23-24 | 徒十二 20-25 | 拉九~十 | 可五 | 20 |
| 21 | 徒十三 1-3 | 徒十三 1-12 | 尼一~三 | 可六 | 21 |
| 22 | 徒十三 22-23 | 徒十三 13-23 | 尼四~六 | 可七 | 22 |
| 23 | 徒十三 35-37 | 徒十三 24-37 | 尼七~九 | 可八 | 23 |
| 24 | 徒十三 46-49 | 徒十三 38-50 | 尼十~十一 | 可九 | 24 |
| 25 | 徒十四 8-10 | 徒十四 1-10 | 尼十二~十三 | 可十 | 25 |
| 26 | 徒十四 13-15 | 徒十四 11-18 | 斯一~三 | 可十一 | 26 |
| 27 | 徒十四 26-27 | 徒十四 19-28 | 斯四~六 | 可十二 | 27 |
| 28 | 徒十五 10-11 | 徒十五 1-11 | 斯七~八 | 可十三 | 28 |
| 29 | 徒十五 16-18 | 徒十五 12-21 | 斯九~十 | 可十四 | 29 |
| 30 | 徒十五 25-26 | 徒十五 22-35 | 伯一~二 | 可十五 | 30 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 七月 | | | | 月 日 |
|--------|-----------|-----------|--------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 徒十五 36 | 徒十五 36-41 | 伯三~四 | 可十六 | 1 |
| 2 | 徒十六 6-8 | 徒十六 1-15 | 伯五~六 | 來一 | 2 |
| 3 | 徒十六 18 | 徒十六 16-24 | 伯七~八 | 來二 | 3 |
| 4 | 徒十六 30-32 | 徒十六 25-40 | 伯九~十 | 來三 | 4 |
| 5 | 徒十七 5-7 | 徒十七 1-9 | 伯十一~十二 | 來四 | 5 |
| 6 | 徒十七 11 | 徒十七 10-21 | 伯十三~十四 | 來五 | 6 |
| 7 | 徒十七 26-28 | 徒十七 22-34 | 伯十五~十六 | 來六 | 7 |
| 8 | 徒十八 9-10 | 徒十八 1-11 | 伯十七~十八 | 來七 | 8 |
| 9 | 徒十八 24-25 | 徒十八 12-28 | 伯十九~廿 | 來八 | 9 |
| 10 | 徒十九 4-6 | 徒十九 1-7 | 伯廿一~廿二 | 來九 | 10 |
| 11 | 徒十九 19-20 | 徒十九 8-22 | 伯廿三~廿四 | 來十 | 11 |
| 12 | 徒十九 26-27 | 徒十九 23-41 | 伯廿五~廿六 | 來十一 | 12 |
| 13 | 徒廿 9-12 | 徒廿 1-16 | 伯廿七~廿八 | 來十二 | 13 |
| 14 | 徒廿 18-19 | 徒廿 17-24 | 伯廿九~卅 | 來十三 | 14 |
| 15 | 徒廿 28 | 徒廿 25-38 | 伯卅一~卅二 | 雅一 | 15 |
| 16 | 徒廿一 13 | 徒廿一 1-16 | 伯卅三~卅四 | 雅二 | 16 |
| 17 | 徒廿一 23-25 | 徒廿一 17-26 | 伯卅五~卅六 | 雅三 | 17 |
| 18 | 徒廿一 37-40 | 徒廿一 27-40 | 伯卅七~卅八 | 雅四 | 18 |
| 19 | 徒廿二 6-8 | 徒廿二 1-16 | 伯卅九~四十 | 雅五 | 19 |
| 20 | 徒廿二 17-18 | 徒廿二 17-24 | 伯四一~四二 | 彼前一 | 20 |
| 21 | 徒廿二 25-27 | 徒廿二 25-30 | 詩一~二 | 彼前二 | 21 |
| 22 | 徒廿三 11 | 徒廿三 1-11 | 詩三~四 | 彼前三 | 22 |
| 23 | 徒廿三 16-22 | 徒廿三 12-24 | 詩五~六 | 彼前四 | 23 |
| 24 | 徒廿三 28-30 | 徒廿三 25-35 | 詩七~八 | 彼前五 | 24 |
| 25 | 徒廿四 5-8 | 徒廿四 1-9 | 詩九~十 | 彼後一 | 25 |
| 26 | 徒廿四 14-15 | 徒廿四 10-23 | 詩十一~十二 | 彼後二 | 26 |
| 27 | 徒廿四 24-25 | 徒廿四 24-27 | 詩十三~十四 | 彼後三 | 27 |
| 28 | 徒廿五 10-11 | 徒廿五 1-12 | 詩十五~十六 | 約一 | 28 |
| 29 | 徒廿五 18-19 | 徒廿五 13-22 | 詩十七~十八 | 約二 | 29 |
| 30 | 徒廿五 24-25 | 徒廿五 23-27 | 詩十九~廿 | 約三 | 30 |
| 31 | 徒廿六 6-7 | 徒廿六 1-12 | 詩廿一~廿二 | 約四 | 31 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 八月 | | | | 月 日 |
|--------|-----------|-----------|--------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 徒廿六 16-18 | 徒廿六 13-23 | 詩廿三~廿四 | 約五 | 1 |
| 2 | 徒廿六 24-26 | 徒廿六 24-32 | 詩廿五~廿六 | 約六 | 2 |
| 3 | 徒廿七 6-7 | 徒廿七 1-8 | 詩廿七~廿八 | 約七 | 3 |
| 4 | 徒廿七 9-11 | 徒廿七 9-20 | 詩廿九~卅 | 約八 | 4 |
| 5 | 徒廿七 21-26 | 徒廿七 21-36 | 詩卅一~卅二 | 約九 | 5 |
| 6 | 徒廿七 42-44 | 徒廿七 37-44 | 詩卅三~卅四 | 約十 | 6 |
| 7 | 徒廿八 3-6 | 徒廿八 1-6 | 詩卅五~卅六 | 約十一 | 7 |
| 8 | 徒廿八 8-10 | 徒廿八 7-16 | 詩卅七~卅八 | 約十二 | 8 |
| 9 | 徒廿八 30-31 | 徒廿八 17-31 | 詩卅九~四十 | 約十三 | 9 |
| 10 | 書一 5-6 | 書一 1-9 | 詩四一~四二 | 約十四 | 10 |
| 11 | 書一 17-18 | 書一 10-18 | 詩四三~四四 | 約十五 | 11 |
| 12 | 書二 4-5 | 書二 1-7 | 箴一~二 | 約十六 | 12 |
| 13 | 書二 8-10 | 書二 8-14 | 箴三~四 | 約十七 | 13 |
| 14 | 書二 18-20 | 書二 15-24 | 箴五~六 | 約十八 | 14 |
| 15 | 書三 3-4 | 書三 1-6 | 箴七~八 | 約十九 | 15 |
| 16 | 書三 14-16 | 書三 7-17 | 箴九~十 | 約廿 | 16 |
| 17 | 書四 8-9 | 書四 1-10 | 箴十一~十二 | 約廿一 | 17 |
| 18 | 書四 14 | 書四 11-24 | 箴十三~十四 | 約壹一 | 18 |
| 19 | 書五 8-9 | 書五 1-12 | 箴十五~十六 | 約壹二 | 19 |
| 20 | 書五 14-15 | 書五 13-15 | 箴十七~十八 | 約壹三 | 20 |
| 21 | 書六 10-11 | 書六 1-14 | 箴十九~廿 | 約壹四 | 21 |
| 22 | 書六 27 | 書六 15-27 | 箴廿一~廿二 | 約壹五 | 22 |
| 23 | 書七 1 | 書七 1-9 | 箴廿三~廿四 | 約貳 | 23 |
| 24 | 書七 13 | 書七 10-15 | 箴廿五~廿六 | 約參 | 24 |
| 25 | 書七 25-26 | 書七 16-26 | 箴廿七~廿八 | 猶一 | 25 |
| 26 | 書八 1 | 書八 1-17 | 箴廿九~卅一 | 啟一 | 26 |
| 27 | 書八 18 | 書八 18-30 | 傳一~二 | 啟二 | 27 |
| 28 | 書九 14-15 | 書九 1-15 | 傳三~四 | 啟三 | 28 |
| 29 | 書九 24-25 | 書九 16-27 | 傳五~六 | 啟四 | 29 |
| 30 | 書十 12-14 | 書十 1-27 | 傳七~八 | 啟五 | 30 |
| 31 | 書十 41-42 | 書十 28-43 | 傳九~十 | 啟六 | 31 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 九月 | | | | 月 日 |
|------------------------------|-----------|-----------|--------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 書十一 15 | 書十一 1-15 | 傳十一~十二 | 啟七 | 1 |
| 2 | 書十一 23 | 書十一 16-23 | 歌一~二 | 啟八 | 2 |
| 3 | 書十二 1 | 書十二 1-6 | 歌三~四 | 啟九 | 3 |
| 4 | 書十二 7 | 書十二 7-24 | 歌五~六 | 啟十 | 4 |
| 5 | 書十三 1 | 書十三 1-14 | 歌七~八 | 啟十一 | 5 |
| 6 | 書十三 33 | 書十三 15-33 | 賽一~二 | 啟十二 | 6 |
| 7 | 書十四 4 | 書十四 1-5 | 賽三~四 | 啟十三 | 7 |
| 8 | 書十四 10-11 | 書十四 6-15 | 賽五~六 | 啟十四 | 8 |
| 9 | 書十五 1 | 書十五 1-12 | 賽七~八 | 啟十五 | 9 |
| 10 | 書十五 16-19 | 書十五 13-63 | 賽九~十 | 啟十六 | 10 |
| 11 | 書十六 10 | 書十六 1-10 | 賽十一~十二 | 啟十七 | 11 |
| 12 | 書十七 3-4 | 書十七 1-13 | 賽十三~十四 | 啟十八 | 12 |
| 13 | 書十七 17-18 | 書十七 14-18 | 賽十五~十六 | 啟十九 | 13 |
| 14 | 書十八 8-10 | 書十八 1-10 | 賽十七~十八 | 啟廿 | 14 |
| 15 | 書十八 11 | 書十八 11-28 | 賽十九~廿 | 啟廿一 | 15 |
| 16 | 書十九 9 | 書十九 1-16 | 賽廿一~廿二 | 啟廿二 | 16 |
| 17 | 書十九 23 | 書十九 17-31 | 賽廿三~廿四 | 詩四五 | 17 |
| 18 | 書十九 47-48 | 書十九 32-48 | 賽廿五~廿六 | 詩四六 | 18 |
| 19 | 書十九 49-50 | 書十九 49-51 | 賽廿七~廿八 | 詩四七 | 19 |
| 20 | 書廿 1-3 | 書廿 1-9 | 賽廿九~卅 | 詩四八 | 20 |
| 21 | 書廿一 1-3 | 書廿一 1-19 | 賽卅一~卅二 | 詩四九 | 21 |
| 22 | 書廿一 20-21 | 書廿一 20-33 | 賽卅三~卅四 | 詩五十 | 22 |
| 23 | 書廿一 44-45 | 書廿一 34-45 | 賽卅五~卅六 | 詩五一 | 23 |
| 24 | 書廿二 4-5 | 書廿二 1-9 | 賽卅七~卅八 | 詩五二 | 24 |
| 25 | 書廿二 19 | 書廿二 10-20 | 賽卅九~四十 | 詩五三 | 25 |
| 26 | 書廿二 28-29 | 書廿二 21-34 | 賽四一~四二 | 詩五四 | 26 |
| 27 | 書廿三 14 | 書廿三 1-16 | 賽四三~四四 | 詩五五 | 27 |
| 28 | 書廿四 13 | 書廿四 1-15 | 賽四五~四六 | 詩五六 | 28 |
| 29 | 書廿四 25-28 | 書廿四 16-28 | 賽四七~四八 | 詩五七 | 29 |
| 30 | 書廿四 31 | 書廿四 29-33 | 賽四九~五十 | 詩五八 | 30 |
| 你的言語一解開就發出亮光，使愚人通達。—詩一一九 130 | | | | | |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 十月 | | | | 月 日 |
|--------|----------|----------|--------|-----|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 士一 1-2 | 士一 1-10 | 賽五一~五二 | 詩五九 | 1 |
| 2 | 士一 13-15 | 士一 11-15 | 賽五三~五四 | 詩六十 | 2 |
| 3 | 士一 22-25 | 士一 16-26 | 賽五五~五六 | 詩六一 | 3 |
| 4 | 士一 27-28 | 士一 27-36 | 賽五七~五八 | 詩六二 | 4 |
| 5 | 士二 6-7 | 士二 1-10 | 賽五九~六十 | 詩六三 | 5 |
| 6 | 士二 18-19 | 士二 11-23 | 賽六一~六二 | 詩六四 | 6 |
| 7 | 士三 1-2 | 士三 1-6 | 賽六三~六四 | 詩六五 | 7 |
| 8 | 士三 9-10 | 士三 7-11 | 賽六五~六六 | 詩六六 | 8 |
| 9 | 士三 15 | 士三 12-31 | 耶一~三 | 詩六七 | 9 |
| 10 | 士四 4-5 | 士四 1-11 | 耶四~六 | 詩六八 | 10 |
| 11 | 士四 23 | 士四 12-23 | 耶七~九 | 詩六九 | 11 |
| 12 | 士五 6-9 | 士五 1-18 | 耶十~十二 | 詩七十 | 12 |
| 13 | 士五 31 | 士五 19-31 | 耶十三~十五 | 詩七一 | 13 |
| 14 | 士六 7-10 | 士六 1-10 | 耶十六~十八 | 詩七二 | 14 |
| 15 | 士六 22-24 | 士六 11-24 | 耶十九~廿一 | 詩七三 | 15 |
| 16 | 士六 31-32 | 士六 25-32 | 耶廿二~廿四 | 詩七四 | 16 |
| 17 | 士六 33-35 | 士六 33-40 | 耶廿五~廿七 | 詩七五 | 17 |
| 18 | 士七 2-3 | 士七 1-8 | 耶廿八~卅 | 詩七六 | 18 |
| 19 | 士七 15 | 士七 9-18 | 耶卅一~卅三 | 詩七七 | 19 |
| 20 | 士七 22-23 | 士七 19-25 | 耶卅四~卅六 | 詩七八 | 20 |
| 21 | 士八 1-3 | 士八 1-17 | 耶卅七~卅九 | 詩七九 | 21 |
| 22 | 士八 22-27 | 士八 18-28 | 耶四十~四二 | 詩八十 | 22 |
| 23 | 士八 33-35 | 士八 29-35 | 耶四三~四五 | 詩八一 | 23 |
| 24 | 士九 5-6 | 士九 1-6 | 耶四六~四八 | 詩八二 | 24 |
| 25 | 士九 19-20 | 士九 7-21 | 耶四九~五十 | 詩八三 | 25 |
| 26 | 士九 22-23 | 士九 22-41 | 耶五一~五二 | 詩八四 | 26 |
| 27 | 士九 56-57 | 士九 42-57 | 哀一~二 | 詩八五 | 27 |
| 28 | 士十 1-2 | 士十 1-2 | 哀三~四 | 詩八六 | 28 |
| 29 | 士十 3-5 | 士十 3-5 | 哀五 | 詩八七 | 29 |
| 30 | 士十 15-16 | 士十 6-17 | 結一~二 | 詩八八 | 30 |
| 31 | 士十一 11 | 士十一 1-11 | 結三~四 | 詩八九 | 31 |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 十一月 | | | | 月 日 |
|-------------------------------|-----------|-----------|--------|------|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 士十一 29-33 | 士十一 12-33 | 結五~六 | 詩九十 | 1 |
| 2 | 士十一 36 | 士十一 34-40 | 結七~八 | 詩九一 | 2 |
| 3 | 士十二 2-3 | 士十二 1-7 | 結九~十 | 詩九二 | 3 |
| 4 | 士十二 8-10 | 士十二 8-15 | 結十一~十二 | 詩九三 | 4 |
| 5 | 士十三 2-5 | 士十三 1-7 | 結十三~十四 | 詩九四 | 5 |
| 6 | 士十三 17 | 士十三 8-20 | 結十五~十六 | 詩九五 | 6 |
| 7 | 士十三 23 | 士十三 21-25 | 結十七~十八 | 詩九六 | 7 |
| 8 | 士十四 1-3 | 士十四 1-9 | 結十九~二十 | 詩九七 | 8 |
| 9 | 士十四 19-20 | 士十四 10-20 | 結廿一~廿二 | 詩九八 | 9 |
| 10 | 士十五 1-3 | 士十五 1-8 | 結廿三~廿四 | 詩九九 | 10 |
| 11 | 士十五 18-19 | 士十五 9-20 | 結廿五~廿六 | 詩一〇〇 | 11 |
| 12 | 士十六 1-3 | 士十六 1-3 | 結廿七~廿八 | 詩一〇一 | 12 |
| 13 | 士十六 16-17 | 士十六 4-22 | 結廿九~三十 | 詩一〇二 | 13 |
| 14 | 士十六 28-30 | 士十六 23-31 | 結卅一~卅二 | 詩一〇三 | 14 |
| 15 | 士十七 5-6 | 士十七 1-13 | 結卅三~卅四 | 詩一〇四 | 15 |
| 16 | 士十八 1 | 士十八 1-13 | 結卅五~卅六 | 詩一〇五 | 16 |
| 17 | 士十八 30-31 | 士十八 14-31 | 結卅七~卅八 | 詩一〇六 | 17 |
| 18 | 士十九 1-3 | 士十九 1-15 | 結卅九~四十 | 詩一〇七 | 18 |
| 19 | 士十九 17-21 | 士十九 16-30 | 結四一~四二 | 詩一〇八 | 19 |
| 20 | 士廿 8-11 | 士廿 1-17 | 結四三~四四 | 詩一〇九 | 20 |
| 21 | 士廿 23-28 | 士廿 18-35 | 結四五~四六 | 詩一一〇 | 21 |
| 22 | 士廿 43 | 士廿 36-48 | 結四七~四八 | 詩一一一 | 22 |
| 23 | 士廿一 13-15 | 士廿一 1-15 | 但一~二 | 詩一一二 | 23 |
| 24 | 士廿一 23-25 | 士廿一 16-25 | 但三~四 | 詩一一三 | 24 |
| 25 | 瑪一 2-3 | 瑪一 1-14 | 但五~六 | 詩一一四 | 25 |
| 26 | 瑪二 5 | 瑪二 1-9 | 但七~八 | 詩一一五 | 26 |
| 27 | 瑪二 14-15 | 瑪二 10-17 | 但九~十 | 詩一一六 | 27 |
| 28 | 瑪三 1 | 瑪三 1-4 | 但十一~十二 | 詩一一七 | 28 |
| 29 | 瑪三 10 | 瑪三 5-12 | 何一~二 | 詩一一八 | 29 |
| 30 | 瑪三 16-17 | 瑪三 13-18 | 何三~四 | 詩一一九 | 30 |
| 草必枯乾，花必凋殘，惟有我們神的話必永遠立定。－賽四十 8 | | | | | |

基隆教會本堂 2025 年讀經進度表

| 月 日 | 十二月 | | | | 月 日 |
|--------|-----------|-----------|--------|------|--------|
| | 靈修經文 | | 速讀經文 | | |
| 1 | 瑪四 5-6 | 瑪四 1-6 | 何五~六 | 詩一二〇 | 1 |
| 2 | 約壹一 5-6 | 約壹一 1-4 | 何七~八 | 詩一二一 | 2 |
| 3 | 約壹一 8-9 | 約壹一 5-10 | 何九~十 | 詩一二二 | 3 |
| 4 | 約壹二 1-2 | 約壹二 1-6 | 何十一~十二 | 詩一二三 | 4 |
| 5 | 約壹二 5 | 約壹二 7-11 | 何十三~十四 | 詩一二四 | 5 |
| 6 | 約壹二 7 | 約壹二 12-17 | 珥一~三 | 詩一二五 | 6 |
| 7 | 約壹二 10 | 約壹二 18-23 | 摩一~二 | 詩一二六 | 7 |
| 8 | 約壹二 15 | 約壹二 24-27 | 摩三~四 | 詩一二七 | 8 |
| 9 | 約壹二 27 | 約壹二 28-29 | 摩五~六 | 詩一二八 | 9 |
| 10 | 約壹三 1 | 約壹三 1-3 | 摩七~八 | 詩一二九 | 10 |
| 11 | 約壹三 8 | 約壹三 4-6 | 摩九 | 詩一三〇 | 11 |
| 12 | 約壹三 16 | 約壹三 7-12 | 俄一 | 詩一三一 | 12 |
| 13 | 約壹三 18 | 約壹三 13-20 | 拿一~二 | 詩一三二 | 13 |
| 14 | 約壹三 23 | 約壹三 21-24 | 拿三~四 | 詩一三三 | 14 |
| 15 | 約壹四 2 | 約壹四 1-6 | 彌一~二 | 詩一三四 | 15 |
| 16 | 約壹四 7-8 | 約壹四 7-10 | 彌三~四 | 詩一三五 | 16 |
| 17 | 約壹四 12-13 | 約壹四 11-16 | 彌五~六 | 詩一三六 | 17 |
| 18 | 約壹四 19-21 | 約壹四 17-21 | 彌七 | 詩一三七 | 18 |
| 19 | 約壹五 1-2 | 約壹五 1-5 | 鴻一~三 | 詩一三八 | 19 |
| 20 | 約壹五 3-4 | 約壹五 6-12 | 哈一~三 | 詩一三九 | 20 |
| 21 | 約壹五 11-12 | 約壹五 13-17 | 番一~三 | 詩一四〇 | 21 |
| 22 | 約壹五 18 | 約壹五 18-21 | 該一~二 | 詩一四一 | 22 |
| 23 | 約貳 1-2 | 約貳 1-3 | 亞一~二 | 詩一四二 | 23 |
| 24 | 約貳 5 | 約貳 4-5 | 亞三~四 | 詩一四三 | 24 |
| 25 | 約貳 6 | 約貳 6-8 | 亞五~六 | 詩一四四 | 25 |
| 26 | 約貳 8 | 約貳 9-11 | 亞七~八 | 詩一四五 | 26 |
| 27 | 約貳 9 | 約貳 12-13 | 亞九~十 | 詩一四六 | 27 |
| 28 | 約參 2 | 約參 1-4 | 亞十一~十二 | 詩一四七 | 28 |
| 29 | 約參 3-4 | 約參 5-8 | 亞十三~十四 | 詩一四八 | 29 |
| 30 | 約參 5-6 | 約參 9-10 | 瑪一~二 | 詩一四九 | 30 |
| 31 | 約參 11 | 約參 11-15 | 瑪三~四 | 詩一五〇 | 31 |



聖經都是神所默示的，於教訓、督責、使人歸正、教導人學義都是有益的，叫屬神的人得以完全，預備行各樣的善事。

提摩太後書 三 16 - 17